मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में बिना लाइसेंस नवीनीकरण के चिकित्सा सेवाएं देने वाले डॉक्टरों पर कार्रवाई शुरू।
- ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने हाउस ऑफ हिमालयाज के अंतर्गत तैयार उत्पादों की ब्रांडिंग पर जोर दिया।
- मानसून के दौरान दुर्गम रास्तों और संचार बाधाओं के बीच चंपावत जिला प्रशासन गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय।
- हरिद्वार में श्रावण मास की कांवड यात्रा चरम पर, ''हर हर महादेव'' के जयघोषों से पूरा क्षेत्र शिवमय हुआ।

डॉक्टर कार्रवाई

प्रदेश में बिना लाइसेंस नवीनीकरण के चिकित्सा सेवाएं देने वाले लगभग ढाई हजार चिकित्सकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य सचिव ने सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को ऐसे चिकित्सकों की सूची तैयार करने और उनके खिलाफ कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल को इन चिकित्सकों के नाम सार्वजनिक करने को कहा गया है। शासन की सख्ती के बाद बड़ी संख्या में चिकित्सक लाइसेंस नवीनीकरण के लिए पहुंच रहे हैं। उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. सुधीर पांडेय ने बताया कि पिछले छह दिनों में 200 से अधिक चिकित्सकों ने लाइसेंस नवीनीकृत कराया, जिससे लगभग पांच लाख रुपये जुर्माने के रूप में जमा हुए। काउंसिल ने चेतावनी दी है कि अगरी निर्धारित समय सीमा में लाइसेंस नवीनीकरण नहीं हुआ, तो और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गणेश जोशी बैठक

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून में आयोजित बैठक में हाउस ऑफ हिमालयाज, मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना और ग्रोथ सेंटर जैसी गेम चेंजर योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउस ऑफ हिमालयाज के अंतर्गत तैयार उत्पादों की पैकेजिंग, मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि इन उत्पादों को देश के साथ ही विदेशों तक पहुंचाया जा सके। साथ ही मिलेट्स आधारित बेकरी उत्पादों जैसे मिलेट्स रस और अन्य नए उत्पादों के विकास की दिशा में तेजी लाने को भी कहा। श्री जोशी ने कहा कि ग्राम्य विकास के लिए स्थानीय उत्पादों का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज जैसी पहल ग्रामीण महिलाओं और युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदेश में संचालित 49 ग्रोथ सेंटर, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

नंदादेवी राजजाता बैठक

अगले वर्ष आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में यात्रा से संबंधित सभी विभागीय अधिकारियों के साथ तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को यात्रा मार्ग और पड़ावों पर चिकित्सकीय सुविधा, एंबुलेंस, मेडिकल स्टाफ और जरूरी दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए यात्रा पड़ावों पर होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे सहित अन्य भवनों को चिन्हित कर उनकी क्षमता का आकलन समय पर करने को कहा। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को समय पर सभी व्यवस्थाएं पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार से सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती, जिला स्तर पर सुरक्षा कर्मियों का प्रशिक्षण, भीड़ नियंत्रण निगरानी के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। गौरतलब है कि नंदा देवी राजजात यात्रा लगभग 280 किलोमीटर लंबी होती है, जिसमें से 207 किलोमीटर का क्षेत्र पैदल मार्ग का है और 73 किलोमीटर वाहन से तय किया जाता है। वापसी में लगभग 60 किलोमीटर की दूरी वाहन से तय की जाती है।

यातायात चालान

नैनीताल जिले में यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई के लिए परिवहन विभाग ने आमडंडा क्षेत्र में 40 लाख रुपए की लागत से स्वचलित नंबर प्लेट पहचान यानी एएनपीआर सीसीटीवी कैमरा लगाया है। ऐसे में अब अगले सप्ताह से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के एएनपीआर कैमरे से चालान कटने शुरू हो जाएंगे। रामनगर से रोजाना सैकड़ों वाहन पर्वतीय क्षेत्रों की ओर जाते हैं। इनमें से कई लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, जिससे हादसे की आशंका रहती है। इसे देखते हुए एआरटीओ ने रामनगर के आमडंडा क्षेत्र में एक एएनपीआर कैमरा लगने का प्रस्ताव निदेशलय को भेजा था। इसके बाद देहरादून निदेशालय से आई टीम ने आमडंडा क्षेत्र में कैमरा लगा दिया है। एआरटीओ संदीप वर्मा के अनुसार यह कैमरा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीड आदि नियमों का उल्लंघन करने वालों को पकड़ने में मदद करेगा। साथ ही वाहन चालक के मोबाइल नंबर पर स्वतः चालान पहुंच जाएगा।

गर्भवती महिला सुरक्षा

मानसून के दौरान दुर्गम रास्तों और संचार बाधाओं के बीच चंपावत जिला प्रशासन गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय है। संभावित प्रसव तिथि वाली महिलाओं की सूची तैयार कर उन्हें लगातार निगरानी में रखा जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में समय पर सहायता पहुंचाई जा सके। चम्पावत के जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश चौहान ने संभावित प्रसव तिथि वाली महिलाओं की सूची जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और सभी उपजिलाधिकारियों को भेजी है। कंट्रोल रूम की टीमें प्रतिदिन महिलाओं से संपर्क कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति और जरूरतों की जानकारी ले रही हैं। अब तक पाटी, बाराकोट, लोहाघाट और चंपावत विकासखंड के कई गांवों की महिलाओं से संपर्क कर अग्रिम तैयारियां की गई हैं। आशा कार्यकत्रियों के माध्यम से महिलाओं की नियमित निगरानी की जा रही है। कंट्रोल रूम यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि गांवों में रास्ता बाधित न हो और किसी को इलाज से वंचित न रहना पड़े। आपात स्थिति में जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के नंबर 05965–230819, 230703 या टोल फ्री 1077 पर संपर्क किया जा सकता है।

कांवड़ यात्रा

श्रावण मास की कांवड यात्रा में आस्था का चरम हरिद्वार के हरकी पैड़ी पर देखने को मिल रहा है, जहां डाक कांवड़ियों की भारी भीड़ से शहर गुलजार हो गया है। आज से डाक कांवड़िये गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार पहुँचने लगे हैं। कांवड़ उठाए इन श्रद्धालुओं ने पूरे वातावरण को भक्ति और ऊर्जा से भर दिया है। गौरतलब है कि डाक कांवड़ युवाओं के बीच लोकप्रिय होती जा रही है, जिसमें श्रद्धालु गंगाजल लेकर बिना रुके अपने गंतव्य तक दौड़ते हुए पहुंचते हैं। इस बीच, हरकी पैड़ी के आसपास माहौल बिल्कुल पर्व जैसा है, जहां ''हर हर महादेव'' के जयघोषों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया है। विभिन्न गंगा घाटों पर सुबह से ही गंगाजल भरने के लिये कांवड़ियों की लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं। कांवड़ियों के स्वागत के लिए प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाएं पूरी तरह मुस्तैद हैं। जगह–जगह विश्राम शिविर, चिकित्सा सुविधा, जलपान केंद्र और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल, पीएसी, एसडीआरएफ और ड्रोन कैमरों की मदद ली जा रही है। कांवड़ मेले में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या के बीच प्रशासन ने शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपील की है।

जादूंग गांव हरेला

प्रदेश में ''हरेला का पर्व मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ'' और ''एक पेड़ मां के नाम'' थीम पर वृहद वृक्षारोपण किया जा रहा है। यह अभियान एक महीने तक जारी रहेगा। वहीं, उत्तरकाशी जिले में सवा दो लाख पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। जिले में भारत–चीन सीमा से सटे जांदूग गांव में भी हरेला पर्व की धूम है। बगौरी के पूर्व प्रधान भगवान सिंह ने बताया कि जांदूग गांव में हरेला पर्व पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया है। गौरतलब है कि हरेला पर्व इस गांव में भी उत्साह के साथ मनाया जाता है, जहां लोग अपने रीति–रिवाजों और पारंपरिक उत्सवों का आयोजन करते हैं।

नेचुरल वर्टिकल गार्डन

हल्द्वानी नगर निगम ने शहर की सुंदरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल की है। तिकोनिया चौराहे पर हल्द्वानी का पहला नेचुरल वर्टिकल गार्डन स्थापित किया गया है, जिसने शहर की हरियाली को एक नई पहचान दी है। चौराहे की दीवारों पर लगाए गए सजावटी पौधों और बेलों ने पूरे क्षेत्र को हरियाली से आच्छादित कर दिया है, जो न केवल देखने में आकर्षक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और तापमान संतुलन में भी उपयोगी सिद्ध होगा। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने बताया कि वर्टिकल गार्डन जैसे नवाचार शहर को हरियाली की दिशा में आत्मनिर्भर बनाएंगे और नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगे।

धड़ी चौंरी मेला

उत्तरकाशी जिले में यमुना घाटी के खरसाली गांव में आयोजित धड़ीचौंरी मेला शुरु हुआ। दो दिवसीय मेले में क्षेत्र के 12 गांवों के ग्रामीणों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर रासो और तांदी नृत्य प्रस्तुत कर देवी–देवताओं से खुशहाली व समृद्धि की कामना की। यमुना के मायके के रूप में प्रसिद्ध खरसाली गांव में सावन माह में प्रतिवर्ष आराध्य सोमेश्वर देवता के इस भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। सोमेश्वर देवता के पुजारी ने विशेष पूजा–अर्चना कर क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मेले के दौरान पारंपरिक डांगरी आसन की अद्भुत छटा देखने को मिली। पश्वा ने डांगरियों पर आसन कर देवता के संदेश सुनाए। ग्रामीणों ने रासो व तांदी नृत्य के माध्यम से आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया।